आईसीएआर-एनआईएनएफईटी, कोलकाता में राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण आयोजित किया गया

21 अगस्त, 2024, कोलकाता:

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम), वाणिज्यिक फसलों द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण का आज यहां उद्घाटन किया गया, जिसमें "जूट/मेस्टा/रेमी/सनहेम्प के उत्पादन और रीटिंग प्रौद्योगिकी सहित अन्य संबंधित पहलू" पर चर्चा की गई।

निदेशक (कार्यवाहक) डॉ. एल.के. नायक ने प्रशिक्षुओं का स्वागत किया तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण जूट उत्पादन में त्वरित रिटिंग प्रौद्योगिकियों के महत्व के बारे में जानकारी दी।

मुख्य अतिथि, पूर्व निदेशक, आईसीएआर-एनआईएनएफईटी डॉ. एनसी पान ने नव विकसित प्रौद्योगिकियों के प्रसार के लिए जूट उत्पादक राज्यों के साथ बेहतर समन्वय पर जोर दिया।

श्री सुजय दास, वैज्ञानिक ने कार्यक्रमों का समन्वय किया तथा उद्घाटन कार्यक्रम के अंत में हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस प्रशिक्षण में पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और मेघालय जैसे जूट उत्पादक राज्यों से तेरह **(13)** अधिकारियों ने भाग लिया।

(स्रोत: आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

National Level Training Organized at ICAR-NINFET, Kolkata

21st August, 2024, Kolkata

National Food Security Mission (NFSM), Commercial Crops sponsored 3-days National Level Training on "*Production and retting technology of jute/mesta/ramie/sunnhemp include other related aspects*" was inaugurated here today.

Dr. L.K. Nayak, Director (*Officiating*) has welcomed the trainees and briefed them about the importance of accelerated retting technologies in quality jute production.

Dr. N.C. Pan, Chief Guest, Ex-Director, ICAR-NINFET has stressed upon the better coordination with jute growing states for dissemination of newly developed technologies.

Shri Sujai Das, Scientist has coordinated the programmes and offered hearty vote of thanks at the end of the inaugural programme.

Thirteen (13) officials from jute growing states of West Bengal, Odisha, Uttar Pradesh & Meghalaya have participated in this training.

(Source: *ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering & Technology, Kolkata*)